अध्याय
उन्नीस

मुहावरे

Idioms

बच्चो! हिंदी में कभी-कभी लिखते या पढ़ते समय अर्थ को विशिष्ट बनाने के लिए कुछ विशेष शब्दों का प्रयोग करते हैं जो साधारण अर्थ को विशिष्ट अर्थ में बदल देते हैं। जैसे-

जब कोई मित्र मिलता है तो-

तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।

ईद के चाँद का अर्थ है- बहुत दिनों बाद दिखाई देना।

कभी-कभी हम अपने मित्रों को हँसी-मजाक में कह देते हैं-

क्या उल्लू बनाया तुम्हें। उल्लू बनाने का अर्थ है- मूर्ख बनाना।

अतः हम कह सकते हैं कि-

मुहावरे वे वाक्यांश होते हैं, जिनके प्रयोग से साधारण अर्थ विशेष अर्थ में बदल जाता है।

कुछ मुहावरों के अर्थ व उनके प्रयोग

1. गले पड़ना - किसी के साथ जबरदस्ती चिपकना।

महेश को देखो जबरदस्ती मेरे गले पड़ रहा है।

2. खाक छानना - दर-दर भटकना।

नौकरी की तलाश में मयंक आजकल खाक छान रहा है।

3. कान भरना - चुगली करना।

शशि को कान भरने की बुरी आदत है।

4. कमर कसना - चुनौती के लिए तैयार होना।

परीक्षा आ रही है, कमर कसकर तैयार हो जाओ।

5. थूककर चाटना - कहकर मुकर जाना।

तुमने मेरी सहायता का वादा किया था, अब तुम थूककर चाट रहे हो।